

इंदौर प्रति मंगलवार, 25 अगस्त 2026 से 1 सितम्बर 2026 तक

वर्तमान समय में स्किल नई करेंसी और इनोवेशन नई इकोनॉमी है

वन इंस्टीट्यूट-वन प्रॉमिस रही कॉन्क्लेव की थीम

सीएम बोले-मध्यप्रदेश अवसरों की धरती है और यहां पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में सशक्त हो रहा है। भारत के पास अपने सामर्थ्य से हर प्रकार की चुनौती से निपटने की क्षमता है। जिस प्रकार रामायण में जामवंत ने समुद्र लांघने के लिए हनुमान जी को उनकी शक्ति से

परिचित कराया था, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को उसके सामर्थ्य से परिचित कराया है। आज स्किल नई करेंसी है और इनोवेशन नई इकोनॉमी। हमारी संस्थाओं को कौशल, शोध, नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनना होगा। पब्लिकेशन से लेकर पेटेंट तक,

पेटेंट से प्रोटोटाइप तक और प्रोटोटाइप से लेकर एंटरप्राइज की इकोनामिक और नॉलेज वैल्यू चैन की स्थापना करनी होगी। मध्यप्रदेश अवसरों की धरती है और प्रतिभाशाली युवा, प्राकृतिक संसाधन, कृषि शक्ति, उद्यमशीलता और औद्योगिक क्षमता हमारे संसाधन हैं।

युवाओं के कौशल को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन, भूमि, युवा शक्ति और संस्थागत क्षमता उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के कौशल को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए। केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थान कौशल विकास, अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, उद्योग और नवाचार के क्षेत्रों में मिलकर कार्य करें। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

आखिरी सावन सोमवार, शिव मंदिरों में भक्तों की कतार

हर हर महादेव की जयकार 'शिव' में आस्था अपार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार पर देशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। काशी विश्वनाथ, बाबा बैद्यनाथ, महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर में रात से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी हैं। बड़ी संख्या में कांवड़िए भी भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे हैं। देवघर में कपाट सुबह 3.15 बजे खुले और पूजा के बाद 4.10



बजे आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हुए। यहां करीब 4 किमी लंबी कतार लगी है। काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट सुबह 4 बजे मंगला आरती के बाद खोले गए। यहां 6 द्वारों से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है और झ्रोन से निगरानी की जा रही है। शाम 7 बजे तक 9 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।



नगर भ्रमण पर निकले पशुपतिनाथ, सवारी में 26 झांकियां

मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ की राजसी सवारी का नगर भ्रमण शुरू हो गया है। पशुपतिनाथ रजत प्रतिमा के रूप में रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले हैं। जगह-जगह सवारी का पुष्पवर्षा और पूजन-अर्चन से स्वागत किया जा रहा है। सवारी में 26 झांकियां, ढोल पार्टियां, अखाड़े शामिल हैं। इसमें चलित भजन संध्या, धार की नगाड़ा पार्टी, राधा-कृष्ण महारास लीला, राम दरबार, पंजाबी ढोल, नालख माता मंदिर की झांकी और महाकाल स्वरूप पालकी भी हैं।

स्पष्ट दृष्टि और सामूहिक इच्छाशक्ति से समस्याओं का समाधान संभव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों ने विपरीत परिस्थितियों से उभरकर ज्ञान, अनुशासन और तकनीकी क्षमता के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान भारत भी रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। आधुनिक तकनीक ने देश की सीमाओं की सुरक्षा और विभिन्न चुनौतियों से निपटने की हमारी क्षमता को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ परस्पर सहयोग भी आवश्यक है। प्रत्येक राज्य आगे बढ़ेगा, तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

आधा मानसून बीता इंदौर अब भी प्यासा



इंदौर। मानसून का आधा से ज्यादा मौसम गुजर चुका है, लेकिन इस बार बारिश ने शहर को निराश ही किया है। अगस्त का अधिकांश समय सूखा निकल गया और पूरे सीजन में अब तक 20 इंच से भी कम पानी गिरा है। शहर की जीवनरेखा माने जाने वाले बिलावली, सिरपुर, यशवंत सागर और पिपलियापाला जैसे प्रमुख जलाशय आधे भी नहीं भर पाए हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि अगस्त, जो आमतौर पर सबसे ज्यादा बारिश वाला महीना माना जाता है, उसमें अब तक करीब 2 इंच ही पानी बरसा है। सामान्य स्थिति में अगस्त में 10 से 11 इंच बारिश होती है, लेकिन इस बार बादल आए, डेरा डाला और बिना बरसे लौट गए।

शहर में अब तक करीब 18 से 20 इंच के बीच वर्षा दर्ज हुई है, जबकि सामान्य मानसून पूरा करने के लिए 20 इंच से अधिक बारिश अभी और चाहिए। मानसून के बचे दिनों में यदि जोरदार बारिश नहीं हुई तो जलसंकट की आशंका बढ़ सकती है।

तालाबों की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। हर साल बारिश के इस दौर तक लबालब नजर आने

वाले जलाशय इस बार खालीपन की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिलावली में पानी का स्तर अपेक्षा से काफी नीचे है, सिरपुर और पिपलियापाला भी आधे भराव तक नहीं पहुंच पाए हैं, जबकि यशवंत सागर में भी पर्याप्त जल संग्रह नहीं हो सका है। ऐसे हालात आने वाले गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ा सकते हैं।

तालाबों का जलस्तर

- यशवंत सागर 13 फीट
- बड़ा बिलावली 10.1
- छोटा बिलावली 00
- बड़ा सिरपुर 10.8
- छोटा सिरपुर 13.5
- लिंबोदी 00
- पीपल्या पाला 5.5 इंच

मौसम विभाग की उम्मीदें अब सितंबर पर टिकी हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या बचे हुए दिनों में मानसून अपनी भरपाई कर पाएगा? फिलहाल आंकड़े यही बता रहे हैं कि इस साल का मानसून इंदौर के लिए उम्मीदों से काफी कमजोर साबित हुआ है और शहर को अब भी अच्छी बारिश का इंतजार है।

सात राज्यों की चुनावी जंग के लिए बीजेपी का मेगा मिशन

'जेन जी' पर नजर, ग्राउंड कनेक्ट से यूथ वोट तक फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारियां तेज कर ली है। उसी क्रम में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित सात राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर बैठक की। बैठक में पार्टी के नव नियुक्त पदाधिकारी शामिल थे। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बीजेपी मुख्यालय में बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्य इकाई के अध्यक्ष और राज्य प्रभारी शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पार्टी की जमीनी स्तर पर पहुंच को मजबूत करने और युवा मतदाताओं के साथ इसके जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित किया गया, खासकर उन राज्यों में जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं।



मोदी ने प्रत्येक पदाधिकारी की बात सुनी

एजेंसी के मुताबिक, मोदी ने प्रत्येक पदाधिकारी की बात सुनी और सुझाव दिए, नई टीम से अपनी पहुंच बढ़ाने, युवाओं से जुड़ने और जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने का आग्रह किया। शनिवार को बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसमें कांग्रेस द्वारा अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने के फैसले पर आलोचना की गई।

वंदे मातरम पर कांग्रेस के रुख को लेकर बीजेपी हमलावर

पार्टी ने राष्ट्रीय गीत के पूर्ण संस्करण की गरिमा और राष्ट्रीय स्थिति की रक्षा करने की कसम खाई और इसके महत्व को उजागर करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। 10-सूत्रीय प्रस्ताव में, बीजेपी ने कहा कि वह वंदे मातरम के सभी 6 छंदों और उसके इतिहास के बारे में लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को शिक्षित और संगठित करेगी। पार्टी ने यह भी कहा कि कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव संवैधानिक संस्थानों या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को खत्म नहीं कर सकता है। भाजपा ने अपने प्रस्ताव में कहा, 1937 के राजनीतिक समझौते को 1950 के संवैधानिक समझौते और 2026 में संसद द्वारा बनाए गए कानून से ऊपर नहीं उठाया जा सकता है।

2027 विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी ने कसी कमर

एक सूत्र ने बताया, यह अगले साल राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति पर मुख्य ध्यान देने के साथ संगठनात्मक मामलों की एक श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक है। 2027 में उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी वर्तमान में इनमें से चार राज्यों - उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड और गोवा में सत्ता में है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है। इससे पहले शनिवार को नितिन नवीन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ-साथ बीजेपी की पुरानी राष्ट्रीय टीम के सदस्यों के साथ अपनी पहली बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शनिवार को बीजेपी मुख्यालय का दौरा किया और सभी 67 नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों से बातचीत की। पार्टी नेताओं के साथ उनकी बैठक पांच घंटे से अधिक समय तक चली।

प्राैक्टिकल अंकों में हेरफेर पर बड़ा एक्शन: सांदीपनि स्कूल खनियाधाना के प्राचार्य निलंबित, 5 शिक्षकों पर भी कार्रवाई तय

अतुल जैन

कलेक्टर अर्पित वर्मा के प्रतिवेदन पर संभागायुक्त मनोज खत्री ने की सख्त कार्रवाई, जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताएं

खनियाधाना। शासकीय सांदीपनि विद्यालय खनियाधाना में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के प्राैक्टिकल एवं प्रोजेक्ट अंकों में कथित हेरफेर के मामले ने अब बड़ा रूप ले लिया है। मामले में ग्वालियर संभागायुक्त मनोज खत्री ने सख्त कदम उठाते हुए विद्यालय के प्राचार्य टेकचंद जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय निर्धारित किया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के प्रतिवेदन के बाद की गई। मामले की गंभीरता को

देखते हुए गठित संयुक्त जांच दल ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें प्राैक्टिकल और प्रोजेक्ट के अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि में गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है।

(मूल अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि में हेरफेर का आरोप)

संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षकों द्वारा दिए गए मूल अंकों को बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करते समय कथित रूप से हेरफेर की गई। जांच में यह भी सामने आया कि परीक्षा प्रभारी एवं शिक्षकों के बच्चों को नियमों के विपरीत शत-प्रतिशत अंक प्रदान किए गए। इसके साथ ही विद्यालय में कम उपस्थिति वाली कुछ छात्राओं की फर्जी उपस्थिति दर्शाकर उन्हें अधिकतम अंक दिए जाने की



अनियमितता भी जांच में सामने आने की बात कही गई है। मामले को गंभीर मानते हुए संभागायुक्त ने प्राचार्य के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की है।

(5 उच्च माध्यमिक शिक्षकों पर भी गिरेगी गाज)

प्राचार्य के अलावा मामले में संलिप्त पाए गए 5 उच्च माध्यमिक शिक्षकों के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इनमें प्रीति शर्मा, नरेंद्र

रावत, धर्मेन्द्र सिंह बैस, नीरज सोनी और मोहन सोनी शामिल हैं। इन शिक्षकों को पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। अधिकारियों के अनुसार, शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत किए गए जवाब जांच के दौरान असंतोषजनक पाए गए। इसके बाद संभागायुक्त मनोज खत्री ने सभी पांच शिक्षकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-14 के तहत कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

(7 दिन में आरोप पत्र तैयार करने के निर्देश)

संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पांचों शिक्षकों के विरुद्ध 07 दिवस के भीतर प्रारूप आरोप पत्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि नियमानुसार आगे की विभागीय

कार्रवाई की जा सके।

(बोर्ड परीक्षा की पारदर्शिता पर प्रशासन का कड़ा संदेश)

सांदीपनि विद्यालय खनियाधाना में प्राैक्टिकल एवं प्रोजेक्ट अंकों से जुड़ी अनियमितताओं पर हुई कार्रवाई को प्रशासन की ओर से परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। प्राचार्य के निलंबन और पांच शिक्षकों पर प्रस्तावित विभागीय कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति है। प्रशासन की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि बोर्ड परीक्षा में अंकों से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही या नियमों की अनदेखी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों से पहले खाद्य प्रतिष्ठानों पर प्रशासन की सख्ती, 13 नमूने जांच के लिए भेजे

त्योहारों से पहले खाद्य प्रतिष्ठानों पर प्रशासन की सख्ती, 13 नमूने जांच के लिए भेजे

शहडोल, । आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बुढ़ार, धनपुरी एवं शहडोल क्षेत्र में 15 से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 13 नमूने लिए, जिन्हें गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच के लिए लिए गए नमूनों में पनीर, दूध, खोआ, मिल्क केक, पेड़ा, खड़े मसाले सहित अन्य खाद्य सामग्री शामिल हैं। अभियान के तहत श्याम मिष्ठान, बुढ़ार, अभिनंदन स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट धनपुरी, अंबे बीकानेर स्वीट्स धनपुरी, जोधपुर स्वीट्स बुढ़ार, बीकानेर स्वीट्स शहडोल, होटल त्रिदेव शहडोल तथा नमन फूड प्रोडक्ट्स शहडोल सहित



विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिलावटखोरी और अमानक खाद्य पदार्थों के उपयोग के खिलाफ निरीक्षण एवं नमूना लेने की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

घर घर ब्राह्मण जोड़ो अभियान तेज, प्रदेश भर में अब तक पंद्रह लाख फार्म भरे लक्ष्य पचास लाख

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू किया जाए तथा यूजीसी बिल तत्काल वापस लिया जाए तथा सवर्ण आयोग बनाया जाए

कानपुर। सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के केंद्रीय कार्यालय दर्शन पुरवा में घर घर ब्राह्मण जोड़ो अभियान को लेकर बैठक हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमल किशोर अवस्थी ने बताया कि संगठन ने प्रदेश भर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। परिषद द्वारा प्रदेश भर में अब तक पंद्रह लाख तीन सौ चौसठ फार्म भरे जा चुके हैं तथा संगठन ने पचास लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। संगठन तीस सितंबर तक इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिन-रात जुटा हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कमल किशोर अवस्थी ने कहा कि पंद्रह लाख से अधिक फॉर्म भरना हमारे



कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। लेकिन अभी हमें रुकना नहीं है, हमें पचास लाख का लक्ष्य पूरा करना है। पौराणिक काल से ही ब्राह्मण समाज को दिशा देता आ रहा है। आज ब्राह्मणों की अनदेखी हो रही है। हमारी मांग है सवर्ण आयोग का गठन किया जाए। तथा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। संस्कृत आचार्यों की नियुक्तिया की जाए एवं मंदिरों में पूजा पाठ कर रहे पण्डितों को हर महीने एक हजार रुपये सम्मान राशि दी जाए तथा राजनीति

एवं टिकट बंटवारे में भी ब्राह्मणों को जनसंख्या के आधार पर 27 प्रतिशत टिकट दिया जाए। वही प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में हमारी टीम गठित है। पंद्रह लाख से ज्यादा फार्म भर चुके हैं और पचास लाख का लक्ष्य हम तीस सितंबर से पहले ही पा लेंगे। ब्राह्मण जब एकजुट होगा तभी उसकी बात सरकार एवं राजनैतिक दल सुनेंगे। वक्ता महेश त्रिवेदी ने कहा कि संगठन ही ताकत है। वक्ता एस पी शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण युवाओं को आगे आना होगा।

थाना कोतवाली झाबुआ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार द्वारा जिले में जुआ, सट्टा एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रतिपाल सिंह महोबिया एवं एसडीओपी झाबुआ कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक

आर सी भास्करे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दो पृथक-पृथक स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। प्रथम कार्यवाही (किशनपुरी सब्जी मंडी) दिनांक 22.08.2026 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि सब्जी मंडी किशनपुरी झाबुआ में चार व्यक्ति ताश के पत्तों पर अवैध रूप से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल

पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर चारों व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी

1. सद्दाम पिता मोहम्मद बागवान, उम्र 32 साल, निवासी कालिदास मार्ग, झाबुआ।
2. शहजाद पिता अब्दुल मजीद बागवान, उम्र

34 साल, निवासी कालिदास मार्ग, झाबुआ।

3. आविद उर्फ अज्जू पिता अब्दुल अजीज बागवान, उम्र 28 साल, निवासी कालिदास मार्ग, झाबुआ।

4. तबरेज पिता फारुख गनी, उम्र 31 साल, निवासी सुभाष मार्ग, झाबुआ। जप्त मशरूका: 1,700 नगद एवं ताश के पत्ते।

जिंदगी क्या है...

शायद इसी सवाल का जवाब ढूँढते-ढूँढते हम पूरी जिंदगी गुज़ार देते हैं।

बस चलते जा रहे हैं...

चलते जा रहे हैं...

चलते जा रहे हैं...

न जाने कौन-सी उम्मीद है,
जो हमें रुकने नहीं देती।
न जाने कौन-सी आशा है,
जो हमें थकने नहीं देती।
न जाने कौन-से सपने हैं,
जो हर सुबह हमें फिर दौड़ने के लिए जगा देते हैं।

कभी पैसे के पीछे,
कभी नाम के पीछे,
कभी शोहरत के पीछे,
कभी अपने बच्चों का भविष्य बनाने के पीछे...

हम भागते रहे,
बस भागते रहे।

सोचा—
थोड़ा और कमा लें, फिर आराम करेंगे।
थोड़ा और बड़ा घर बना लें,
फिर परिवार के साथ बैठेंगे।
थोड़ा कारोबार और बढ़ जाए,
फिर पुराने दोस्तों से मिलेंगे।
बच्चे अपने पैरों पर खड़े हो जाएँ,
फिर अपने लिए भी जिएँगे।

लेकिन जिंदगी में वह “फिर”
न जाने कब आया...

क्योंकि देखते-देखते
हमारे अपने ही हमसे बिछड़ते गए।

कोई परिवार का सदस्य चला गया,
कोई मित्र चला गया,
कोई पड़ोसी चला गया,
तो कोई ऐसा चला गया
जिससे कल ही मिलने का वादा किया था।

जो कल तक हमारे साथ बैठकर हँसते थे,
आज उनकी तस्वीर दीवार पर टंगी है।

जिनसे कहते थे—
“कभी फुर्सत में बैठेंगे...”
आज उन्हीं के लिए कहते हैं—
“काश! थोड़ा वक्त निकाल लिया होता...”

कितना अजीब है ना...
जिंदगी भर हम समय बचाने की कोशिश करते हैं,
लेकिन आखिर में समझ आता है
कि समय कभी बचता ही नहीं,

समय तो बस बीतता है।
हम हिसाब लगाते रहे
तिना कमाया,
कितना बनाया,
कितना बचाया,

हम जीना भूल गए



कितनी जमीन हुई,
कितना बड़ा घर हुआ...

लेकिन कभी यह हिसाब नहीं लगाया
कि माँ के पास बैठकर कितनी शामें बिताईं,
पिता की कितनी बातें ध्यान से सुनीं,
बच्चों के साथ कितनी बार खुलकर हँसे,
जीवनसाथी से कितनी बार दिल की बात की,
और पुराने दोस्तों को कितनी बार
बिना किसी काम के फोन लगाया।

हम भविष्य बनाने में इतने व्यस्त हो गए
कि हमारा वर्तमान
चुपचाप हाथों से फिसलता गया।

बच्चे बड़े हो गए,
माँ-बाप बूढ़े हो गए,
दोस्त अपनी-अपनी दुनिया में खो गए,
और आईने में हमारे बाल भी
धीरे-धीरे सफेद हो गए।

फिर एक दिन समझ आया—
जिस जिंदगी को सँवारने के लिए
हम पूरी जिंदगी भागते रहे,
उसी जिंदगी को जीना भूल गए।

एक दिन हमारी दौड़ भी रुक जाएगी।
फोन वहीं रहेगा,
गाड़ी वहीं खड़ी रहेगी,
घर वहीं रहेगा,
कारोबार चलता रहेगा,
बैंक का खाता भी रहेगा,
दुनिया भी वैसे ही चलती रहेगी...

बस हम नहीं होंगे।
फिर कोई हमारी तस्वीर देखकर कहेगा
“बहुत मेहनत की इन्होंने...”
“बहुत नाम कमाया...”
“बहुत कुछ बनाया...”

पर शायद कोई यह नहीं पूछेगा—
इतना सब बनाते-बनाते
इन्होंने अपनी जिंदगी जी कितनी?
इसलिए...

थोड़ा रुक जाइए।
माँ-बाप के पास बैठ जाइए,
बच्चों को गले लगा लीजिए,
जीवनसाथी के साथ चाय पी लीजिए,
पुराने दोस्त को फोन लगा लीजिए,
किसी रूठे अपने को मना लीजिए।

कभी बिना वजह हँस लीजिए,
कभी बिना मंजिल घूम आइए,
कभी काम छोड़कर परिवार के साथ बैठ जाइए।

क्योंकि जिंदगी लंबी हो,
यह हमारे हाथ में नहीं...

लेकिन जितनी भी हो,
उसे जी भरकर जीना हमारे हाथ में जरूर है।
कल की चिंता में
आज को मत खो दीजिए।

क्योंकि आखिर में
न पैसा साथ जाएगा,
न मकान,
न गाड़ी,
न पद और न प्रतिष्ठा।
साथ रह जाएँगी तो बस
कुछ यादें,
कुछ रिश्ते,
कुछ हँसी के पल
और अपनों के दिलों में छोड़ा हुआ प्यार।
हम जिंदगी बनाने निकले थे,
और जिंदगी कमाने में लग गए।
सब कुछ पाने की चाह में
न जाने कितने अपने पीछे छोड़ गए।
चलते रहे...
चलते रहे...
चलते रहे...

और जब एक दिन पलटकर देखा,
तो बहुत कुछ हमारे पास था...
बस वह समय नहीं था,
जिसमें उसे जी सकें।
तब दिल ने धीरे से कहा—
“तुम जिंदगी से हारे नहीं थे,
तुमने बहुत कुछ पाया था...
बस पाने की इस भाग-दौड़ में,
तुम जीना भूल गए थे।”

कवि गोपाल गावडे



पत्रकार एवं एंकर जया ने पिता जगदीश चौहान के निधन के बाद उनकी सेवाओं को जारी रखने का लिया संकल्प



राजेश धाकड़

इंदौर। पत्रकार एवं युग का इंसाफ न्यूज चैनल की एंकर तथा सामाजिक, मांगलिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफल संचालनकर्ता सुश्री जया एवं भवानी सिंह चौहान के पूजनीय पिता जगदीश चौहान (बाबा साहब), पिता ताराचंद जी का 6 अगस्त 2026, गुरुवार को कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। कुछ माह पूर्व उनका ऑपरेशन भी हुआ था। श्री जगदीश चौहान सामाजिक एवं धार्मिक सेवा से जुड़े हुए थे। वे इंदौर स्थित दुर्गा मंदिर तथा होशंगाबाद के कोरी घाट स्थित नर्मदा मंदिर में निरंतर सेवा कार्य करते थे। धार्मिक आस्था और सेवा भावना के कारण वे अपने परिचितों एवं समाजजनों के बीच विशेष सम्मान रखते थे। वे आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण एवं वितरण से भी जुड़े हुए थे तथा अनेक लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लाभान्वित करते थे। उनके निधन से परिवार, मित्रों, पत्रकारिता जगत एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। दिवंगत जगदीश चौहान का सरल स्वभाव, धार्मिक सेवा और समाज के प्रति समर्पण सदैव स्मरण किया जाएगा। उनकी पुत्री जया ने संकल्प लिया है कि वे अपने पिता की स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने हेतु उनके द्वारा दी जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं की परंपरा एवं सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाती रहेंगी। श्री चौहान निधन पर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अजय पौराणिक, प्रकाश महावर कोली, दिनेश ठाकुर, रियाज खान सहित अनेक पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने जगदीश चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।

शास्त्रीय संगीत पर आधारित राग व वाद्ययंत्र हमारे सूक्ष्म चक्रों को सशक्त बनाते हैं



हैं। एकाग्रता, सुर और लय के साथ गाया गया संगीत मन को भीतर की ओर ले जाने में सहायक होता है। भजन और आरती भी इसी भाव से गाए जाते हैं। सहजयोग की साधना में यह अनुभव किया जाता है कि ईश्वर हमारे भीतर ही विद्यमान हैं और संगीत के माध्यम से हम अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना से जुड़ सकते हैं।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने विभिन्न चक्रों के लिए विशिष्ट रागों और वाद्ययंत्रों का उल्लेख किया है। ध्यान की अवस्था में संबंधित चक्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए उस चक्र से संबंधित राग अथवा वाद्ययंत्र का श्रवण करने से साधक को ध्यान में गहराई प्राप्त करने और सूक्ष्म तंत्र को संतुलित करने में सहायता मिल सकती है। राग और वाद्य यंत्र जो हर चक्र पर प्रभावी होते हैं उनका विवरण इस प्रकार है:-

- 1 मूलाधार चक्र : राग - श्याम कल्याण/ बिलावल, वाद्य यंत्र- शहनाई
- 2 स्वाधिष्ठान चक्र : राग : तोड़ी / यमन वाद्य यंत्र - वीणा
- 3 नाभि चक्र : राग - ललित / गुनकली, वाद्य यंत्र - संतूर
- 4 भवसागर : राग - मालकौंस
- 5 हृदय चक्र : राग - भैरवी/दुर्गा/ भैरव तबला-मृदंग
- 6 विशुद्धि चक्र : राग - जय-जयवंती, वाद्य यंत्र - बॉसुरी
- 7 आज्ञा चक्र : राग - भूप /बागेश्वरी, वाद्य यंत्र - सरोद
- 8 सहस्त्रार चक्र - राग - दरबारी / भैरवी , वाद्य यंत्र - सितार

संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मन और शरीर को शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला एक प्रभावशाली साधन भी है। सहजयोग में ध्यान और संगीत का विशेष महत्व माना गया है। हम सभी ने अनुभव किया होगा कि किसी कार्य को करते समय धीमी आवाज में मधुर संगीत सुनने से मन प्रसन्न रहता है और थकान का अनुभव भी कम होता है। यही कारण है कि आज संगीत को कृषि एवं पशुपालन जैसे क्षेत्रों में भी प्रयोग किया जा रहा है। सहजयोग के अनुसार हमारे शरीर में स्थित सूक्ष्म शक्ति केंद्र अर्थात् चक्र, ईश्वर से जुड़े हुए हैं। शास्त्रीय संगीत और विभिन्न वाद्ययंत्र भी ईश्वरीय उपासना के महत्वपूर्ण माध्यम माने जाते

ध्यान के समय सुनियोजित तरीके से श्री माताजी के प्रवचन के साथ साथ राग या वाद्य यंत्र को सुनकर ध्यान करना, ध्यान को पूर्णता प्रदान करता है। इससे हमारे चक्र तो शक्तिशाली होते ही हैं, हमारा चेहरा भी तेजोमय हो जाता है। यदि किसी चक्र पर समस्या है तो उस चक्र का राग या वाद्य यंत्र दो तीन दिन लगातार सुनकर उस चक्र को संतुलित किया जा सकता है। इस अनूठी ध्यान पद्धति से जुड़ने हेतु व आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा वेबसाइट sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

गारंटी किस बात की?

हम हर चीज की गारंटी पूछते हैं,
दुकान पर जाते ही पहला सवाल करते हैं—
“ये कितने साल चलेगा?”
“इसकी वारंटी कितनी है?”
“खराब हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा?”

पंखा खरीदें तो गारंटी,
टीवी खरीदें तो वारंटी,
गाड़ी लें तो सर्विस की चिंता,
मोबाइल लें तो उसकी उम्र पूछते हैं।
कुछ हजार की चीज खरीदने से पहले भी
दस बार सोचते हैं—
“आखिर ये चलेगी कब तक?”

लेकिन कितनी अजीब बात है...।

जिस जिंदगी से
हम ये सारी चीजें खरीद रहे हैं,
उस जिंदगी की कोई गारंटी नहीं।

जो हाथ आज सामान खरीद रहे हैं,
कल वही हाथ रहें—गारंटी नहीं।
जिस घर को सजाने में उम्र लगा रहे हैं,
उस घर में हम कब तक रहें—गारंटी नहीं।
जिन लोगों से आज नाराज बैठे हैं,
कल उन्हें मनाने का मौका मिले—गारंटी नहीं।

हम बैंक बैलेंस बढ़ाते रहे,
मकान बड़े बनाते रहे,
नई गाड़ियाँ खरीदते रहे,
भविष्य सुरक्षित करते रहे...।

और जिंदगी?

वह चुपचाप
हमारी मुट्ठी से रेत की तरह
हर दिन फिसलती रही।

हम कल के लिए
आज की खुशियाँ टालते रहे—
“अगले महीने घूमने जाएंगे...”
“अगली बार परिवार के साथ बैठेंगे...”
“फुर्सत मिली तो दोस्तों से मिलेंगे...”
“एक दिन आराम से जिंदगी जिएंगे...”

लेकिन उस “एक दिन” के आने की
गारंटी कौन देगा?

घड़ी की गारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें चल रहे समय की नहीं।
गाड़ी की वारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें बैठे इंसान की नहीं।
घर की मजबूती की गारंटी मिल सकती है,
लेकिन उसमें रहने वाले रिश्तों की नहीं।

इसलिए...।

सामान की गारंटी जरूर लेना,
लेकिन जिंदगी को वारंटी के भरोसे मत छोड़ना।

जो अपने हैं, उन्हें आज ही गले लगा लेना,
जिससे नाराज हो, उसे आज ही मना लेना,
माँ-बाप के पास कुछ देर बैठ लेना,
बच्चों के साथ थोड़ा हँस लेना,
पुराने दोस्त को फोन कर लेना,
और जो सपना दिल में है—
उसे जीने की शुरुआत कर देना।

क्योंकि
सामान खराब हो जाए तो बदला जा सकता है,
पैसा चला जाए तो दोबारा कमाया जा सकता है,
लेकिन बीता हुआ एक पल...।
दुनिया की किसी दुकान में वापस नहीं मिलता।

हम पूरी जिंदगी
चीजों की गारंटी ढूँढते रह जाते हैं,
और भूल जाते हैं कि
जिस जिंदगी के लिए ये सारी चीजें हैं—
उस जिंदगी की तो अगले पल की भी गारंटी
नहीं।

*इसलिए जिंदगी को संभालकर नहीं...।

दिल खोलकर जियो।
क्योंकि “कल” एक उम्मीद है,
गारंटी नहीं।**

— गोपाल गावंडे



सहज योग ध्यान: संतुलित जीवन का सहज मार्ग

मनुष्य का जीवन समस्याओं से अछूता नहीं है। किसी को शारीरिक कठिनाइयाँ परेशान करती हैं, तो कोई मानसिक तनाव से जूझता है और किसी के जीवन में आर्थिक अभाव चुनौती बनकर सामने आता है। बीमारी, बुढ़ापा, निर्बलता, सम्मान को लगी ठेस, पारिवारिक परिस्थितियाँ अथवा विरोध-जीवन में किसी न किसी रूप में समस्याएँ बनी रहती हैं। लौकिक जीवन में तन, मन और धन को सुख के प्रमुख आधार माना जाता है। शरीर स्वस्थ हो, मन प्रसन्न हो और जीवन में आवश्यक संसाधनों का अभाव न हो, तो व्यक्ति स्वयं को

सुखी अनुभव करता है। लेकिन इन परिस्थितियों से मिलने वाला सुख स्थायी नहीं होता। परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं और हमारी सोच भी अनेक प्रकार की चिंताओं एवं समस्याओं को जन्म देती है। ऐसे में स्थायी शांति और संतुलन की खोज आवश्यक हो जाती है। सहज योग ध्यान इसी आंतरिक संतुलन और आत्मिक उत्थान का सहज मार्ग माना जाता है। कुंडलिनी जागरण के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त कर साधक धीरे-धीरे संतुलित अवस्था की ओर बढ़ता है। वह



न तो भविष्य की अनावश्यक चिंता में उलझता है और न ही अतीत की घटनाओं से स्वयं को लगातार प्रताड़ित करता है। वर्तमान में रहते हुए संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की क्षमता विकसित होती है।

सहज योग ध्यान की विशेषता इसकी सरलता है। इसे सीखना आसान है और सहज योग ध्यान केंद्रों के द्वार सभी साधकों के लिए खुले रहते हैं। नियमित ध्यान से व्यक्ति की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। हृदय चक्र

के संतुलन से स्वभाव में सरलता, शांति और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। यह परिवर्तन केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति के आंतरिक व्यक्तित्व को भी प्रभावित करता है। जब मन शांत और संयमित होता है, तब किसी भी परिस्थिति को अधिक स्पष्टता से समझने और उसके उचित समाधान की दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता विकसित होती है। व्यक्ति समस्याओं में उलझने के बजाय उन्हें सहजता से स्वीकार कर समाधान की ओर बढ़ना सीखता है।

पार्षद योगेन्द्र शर्मा यश ने निकाली पवित्र निशान यात्रा, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

कानपुर। सावन के पवित्र माह में वार्ड 65 नौबस्ता पश्चिम के भाजपा पार्षद योगेन्द्र शर्मा यश के द्वारा देश एवं क्षेत्र की समृद्धि के लिए संजय गांधी नगर से श्री खाटू श्याम जी महाराज को समर्पित पवित्र निशान यात्रा निकाली गई। क्षेत्रीय निवासियों के साथ स्वयं पार्षद योगेन्द्र शर्मा यश ने पवित्र निशान लेकर यात्रा की अगुवाई की। आम जनमानस ने बोलो बोलो प्रेमियों श्याम बाबा की जय तथा तीन बाण धारी की जय, शीश के दानी की जय के कीर्तन और जयकारे लगाए। पवित्र निशान यात्रा मार्ग में कई स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई। बताते चलें कि पार्षद योगेन्द्र शर्मा कई धार्मिक संगठनों के संरक्षक हैं तथा खाटू श्याम सेवा समिति के मुख्य संरक्षक हैं जिसमें प्रति वर्ष वृहद स्तर पर श्री श्याम महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस मौके पर पार्षद योगेन्द्र शर्मा यश ने अपने संबोधन में बताया कि मेरी श्री खाटू श्याम जी महाराज के प्रति अटूट आस्था है। मैं कई धार्मिक संगठनों का संरक्षक हूँ और खाटू श्याम सेवा समिति के मुख्य संरक्षक के रूप में हर वर्ष करंही पेट्रोल लाइन बर्रा में वृहद स्तर पर श्री श्याम महोत्सव का आयोजन कराता आ रहा हूँ। बाबा श्याम



की कृपा से ही मुझे जनसेवा की प्रेरणा मिलती है। श्री श्याम खाटू जी महाराज के प्रति अटूट आस्था के चलते ही आज मैं समर्पित भावना से जन सेवा कर रहा हूँ। ये निशान यात्रा मैंने अपने लिए नहीं बल्कि अपने पूरे वार्ड, अपने शहर और अपने देश की सुख, शांति और समृद्धि के लिए निकाली है। जब तक बाबा का आशीर्वाद है तब तक मैं इसी तरह धर्म और सेवा के मार्ग पर चलता रहूँगा। मैं सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने पुष्प वर्षा कर इस यात्रा का मान बढ़ाया। यात्रा के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया और देर तक भजन कीर्तन होता रहा। इस मौके पर मुख्य रूप से ऋतिक शर्मा राजीव गुप्ता विकास बाजपेई भानु ठाकुर।

सावन के अंतिम सोमवार को कोटेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 50 हजार भक्तों ने किया जलाभिषेक

बदनावर। मालवा के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भगवान कोटेश्वर धाम पर सावन मास के अंतिम सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। प्राकृतिक सौंदर्य और मनमोहक वादियों के बीच गुफा में विराजित भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए करीब 40 से 50 हजार श्रद्धालु धाम पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दूर-दराज के क्षेत्रों से कांवड़ लेकर कोटेश्वर धाम पहुंचे। कांवड़ियों ने भगवान कोटेश्वर महादेव का पवित्र जल से अभिषेक कर सुख-समृद्धि और मनोकामना की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए मार्ग में जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए। कोद से लेकर कोटेश्वर धाम तक पूरे मार्ग में भक्तों द्वारा कांवड़ यात्रियों के लिए चाय, नाश्ता और जलपान की व्यवस्था की गई। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों



का स्वागत भी किया गया। मान्यता है कि भगवान कोटेश्वर धाम पर सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते सावन के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अंतिम सोमवार को भी श्रद्धालुओं ने भगवान कोटेश्वर महादेव का पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

कोटेश्वर धाम की प्राकृतिक सुंदरता भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। पहाड़ियों, हरियाली और कल-कल करते झरनों के बीच स्थित यह प्राचीन धार्मिक स्थल सावन के दौरान विशेष रूप से मनोहारी नजर आया। धार्मिक आस्था

के साथ प्रकृति का अद्भुत संगम यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। कोटेश्वर धाम की एक और विशेष परंपरा यहां वर्षों से निरंतर चल रही अखंड रामधुन है। मंदिर परिसर में भक्तों द्वारा लगातार रामधुन का आयोजन किया जाता है, जिसमें श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से शामिल होते हैं। सावन के अंतिम सोमवार को भी रामधुन और भजन-कीर्तन से पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। सावन के अंतिम सोमवार पर उमड़ी भारी भीड़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भगवान कोटेश्वर धाम मालवा क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। कांवड़ियों की सेवा से लेकर पुष्पवर्षा और जलाभिषेक तक पूरे मार्ग में भक्ति और सेवा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

घर के बाहर रखी सांची दूध की क्रेट चोरी, थाने में शिकायत



नंदिता सांची पार्लर संचालक ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दिया आवेदन, पुलिस से क्रेट बरामद करने की मांग

रणजीत टाइम्स

इंदौर। शहर में घर और दुकानों के बाहर रखे सामान की चोरी की घटनाओं के बीच सांची दूध की क्रेट चोरी होने का मामला सामने आया है। नंदिता सांची पार्लर के संचालक ने इस संबंध में पुलिस थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार नंदिता सांची पार्लर के संचालक विशाल लांडे प्रतिदिन की तरह दूध की क्रेट अपनी दुकान/घर के बाहर रखते हैं। शिकायत में बताया गया है कि 23 अगस्त 2026 को बाहर रखी दूध की क्रेटों में से एक क्रेट अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद

संचालक ने अपने स्तर पर आसपास क्रेट की तलाश की और लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत दर्ज कर आसपास के क्षेत्र में जांच करने, अज्ञात व्यक्ति का पता लगाने तथा चोरी हुई दूध की क्रेट बरामद करवाने की मांग की है। आवेदन पर संबंधित थाने की प्राप्ति/मुहर भी लगाई गई है।

दुकानदारों के लिए भी चिंता-व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और घरों के बाहर रखे सामान की इस तरह चोरी होना छोटे दुकानदारों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच से आरोपी तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।

इंदिरा नगर में पानी की टंकी हटाने को लेकर विवाद, युवक गंभीर

इंदौर। इंदिरा नगर की झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र स्थित झाड़ु वाली गली में पानी की टंकी को लेकर हुए विवाद में युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार, धीरेंद्र उर्फ सुदीप कैथवास अपने घर के सामने गाड़ी मोड़ रहे थे। रास्ते में संगीता राठौर और शारदा राठौर के घर की पानी की टंकी कई दिनों से रखी थी, जिससे वाहन निकालने में परेशानी हो रही थी। टंकी हटाने की बात कहने पर विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान सुदीप कैथवास के साथ संगीता राठौर और उनकी मां ने मोगरी से सिर पर हमला किया। घटना के करीब पांच-छह दिन बाद सुदीप की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एमवाय अस्पताल ले



जाया गया, जहां सिर में चोट की बात सामने आई। वर्तमान में सुदीप की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें अरविंदो अस्पताल के न्यूरो ICU में भर्ती किया गया है। परिजनों के मुताबिक सिर में ब्लड क्लॉट होने के कारण वह किसी को पहचान नहीं पा रहे हैं और उन्हें झटके भी आ रहे हैं। मामले को लेकर आज परिजनों ने मल्हारगंज थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

नि, संतान दंपति को होती है संतान की प्राप्ति बाबा का चमत्कार

मनोहर पाटीदार



तहसील मुख्यालय से महास 17 किलोमीटर दूरी पर स्थित है बाबा बिल्केश्वर धाम का मंदिर जहां श्रवण के इस पवित्र मास में हवन पूजन के उपरांत बाबा की प्रसादी के रूप में खीर का वितरण किया जाता है और उसे खीर प्रसादी को जो भी नि संतान दंपति ग्रहण करता है।

उन्हें एक वर्ष में संतान की प्राप्ति हो जाती है और वही उसे उपरांत दंपति अपने परिवार सहित बाबा बिल्केश्वर धाम के मंदिर पर आकर हवन पूजन प्रतिष्ठा कर प्राप्त संतान को तुलादान कर प्रसादी का वितरण करती है ऐसा माना जाता है कि जो भी दंपति भगवान भोलेनाथ के शरण में आकर प्रसादी ग्रहण करता है निश्चित ही उनके दामन में खुशियों के फूल खिलते हैं।

धर्मांतरण के लिए प्रलोभन देने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सलीम हुसैन

दिनांक 23 अगस्त को थाना राणापुर पर फरियादी व्दारा लिखित झाबुआ। आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई कि ग्राम जुनागाँव, कोदर फलिया स्थित उसके घर पर पांगुसिंह वसुनिया तथा प्रेम वसुनिया निवासी ग्राम पुवाला व्दारा फरियादी एवं उसकी पुत्री को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा गया तथा परिवार की परेशानियां दूर करने, प्रतिमाह 1,000 देने, कपड़े उपलब्ध कराने एवं परिवार का निःशुल्क उपचार कराने जैसे कथित प्रलोभन दिए गए। फरियादी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों



द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया गया। प्राप्त लिखित आवेदन एवं प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर थाना राणापुर पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए अपराध क्रमांक 431/2026 मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 की धारा 3 एवं 5 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी

1. पांगुसिंह पिता वेस्ता वसुनिया, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम पुवाला
2. प्रेम पिता कालु वसुनिया, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम पुवाला

सावन के अंतिम सोमवार खारकलां में निकली बाबा महाकाल की भव्य पालकी

पुनीत सेन खारकलां। सावन माह के अंतिम सोमवार के अवसर पर ग्राम खारकलां में बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा की शुरुआत बाबा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से हुई। बाबा महाकाल को पालकी में विराजमान कर श्रद्धालु पूरे ग्राम के भ्रमण पर निकले। पालकी यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह बाबा महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल



के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे ग्राम का भ्रमण करने के बाद बाबा महाकाल की पालकी वापस बाबा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां धार्मिक विधि-विधान के साथ यात्रा का समापन किया गया। सावन के अंतिम सोमवार पर हुए इस आयोजन से पूरा ग्राम शिवमय नजर आया और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता की।

काकनवानी एवं थांदला में खाद्य सुरक्षा एवं नापतौल विभाग की संयुक्त कार्रवाई

थांदला में 792 किलोग्राम मावा एवं 75 किलोग्राम पामोलिन तेल जब्त, मिठाई निर्माण इकाई बंद

सलीम हुसैन

झाबुआ। खाद्य सुरक्षा प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के पालन में आगामी रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नापतौल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को काकनवानी एवं थांदला क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, वैधता, मानक घोषणाओं तथा प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं विक्रय की जांच की गई।

काकनवानी में विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए खाद्य नमूने- काकनवानी में कार्रवाई के दौरान राजेश पांचाल किराना से पनीर तथा रामदेव जोधपुर मिष्ठान भंडार, बस स्टैंड काकनवानी से पेड़े का नमूना जांच के लिए लिया गया। विश्वकर्मा रेस्टोरेंट, बस स्टैंड काकनवानी के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों पर आवश्यक मानक घोषणाएं अंकित नहीं पाई गईं। मौके पर 12 किलोग्राम नमकीन एवं 7 किलोग्राम एक्सपायरी सेव पाया गया। एक्सपायरी सेव को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इसके अतिरिक्त 10 किलोग्राम प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ विक्रय के लिए भंडारित पाए जाने पर नियमानुसार



प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। रेस्टोरेंट से मीडियम पैट पनीर का नमूना भी जांच के लिए लिया गया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान नापतौल विभाग द्वारा भी आवश्यक मानक घोषणाएं अंकित नहीं पाए जाने पर नमकीन, सेव एवं पानी की बोतल जब्त कर नियमानुसार प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। थांदला में 792 किलोग्राम मावा एवं 75 किलोग्राम पामोलिन तेल जब्त इसी अभियान के तहत थांदला के चैनपुरी रोड स्थित मिठाई निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पामोलिन तेल से मावा तैयार किया जाना पाए जाने पर संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की गई। मौके से मावा, पामोलिन तेल एवं स्किमड मिल्क पाउडर के नमूने जांच के लिए लिए गए। मध्यप्रदेश शासन के प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन में मौके से कुल 792 किलोग्राम मावा, अनुमानित मूल्य 1 लाख 34 हजार 640 रुपये तथा 75 किलोग्राम पामोलिन तेल, अनुमानित मूल्य 12 हजार 500 रुपये

जब्त किया गया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशों के उल्लंघन की स्थिति पाए जाने पर संबंधित मिठाई निर्माण इकाई को तत्काल प्रभाव से बंद करवाया गया तथा फर्म का खाद्य पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लिए गए नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री वेलसिंह मोरी, राहुल सिंह अलावा, नापतौल निरीक्षक सचिन चौहान एवं संजय पांचाल उपस्थित रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रखा जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें।

राखी मेला 2026 का शुभारंभ, सीईओ जिला पंचायत चौहान ने की खरीदारी



झाबुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM), जिला पंचायत झाबुआ के अंतर्गत ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए "राखी मेला 2026" का आयोजन सोमवार से आजीविका कला दीर्घा भवन, झाबुआ में प्रारंभ हुआ। मेले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान ने पहुंचकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा उनके द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया।

राखी मेला 24 से 27 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 7 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां, पूजन

सामग्री, शुभ-लाभ, तोरण, सजावटी एवं हस्तशिल्प सामग्री, साड़ियां, सूट, कपड़े एवं जूट के बैग, पर्स, कलात्मक आभूषण, दोना-पत्तल, अगरबत्ती, झाड़ू, नारियल, पशु श्रृंगार सामग्री एवं पशु आहार सहित विभिन्न उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही नमकीन, पापड़, मसाले, चिप्स, चाय पत्ती एवं अन्य खाद्य उत्पाद भी मेले में उपलब्ध हैं। मेले का उद्देश्य ग्रामीण महिला उद्यमियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा "वोकल फॉर लोकल" की भावना को प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत द्वारा नागरिकों से मेले में पहुंचकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीदारी करने और महिला सशक्तिकरण में सहभागी बनने की अपील की गई है।

मोटरसाइकिल चोरों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

03 मोटरसाइकिल एवं पानी की मोटर-केबल सहित 4 लाख 35 हजार का मशरूका जब्त, 04 आरोपी गिरफ्तार

सलीम हुसैन

झाबुआ पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रतिपाल सिंह महोबिया एवं एसडीओपी झाबुआ कमलेश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली झाबुआ की टीम को बड़ी सफलता मिली।

थाना कोतवाली झाबुआ में निम्न अपराध पंजीबद्ध किए गए थे—



1. अपराध क्रमांक 787/2026 धारा 303(2) बीएनएस चोरी गई पल्सर मोटरसाइकिल
2. अपराध क्रमांक 788/2026 धारा 303(2) बीएनएस चोरी गई हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल
3. अपराध क्रमांक 789/2026 धारा 303(2) बीएनएस चोरी

गई पानी की मोटर एवं केबल। थाना कोतवाली झाबुआ की विशेष टीम द्वारा लगातार प्रयास एवं पतारसी करते हुए मोजीपाड़ा से चोरी गई पल्सर एवं हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल तथा ग्राम चारोलीपाड़ा से चोरी गई पानी की मोटर एवं केबल को बरामद किया गया। पुलिस द्वारा मामले में 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे से कुल 4,35,000/- (चार लाख पैंतीस हजार रुपये) मूल्य का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई का संदेश गया है।

बारिश में बढ़ा जलस्तर, सुरक्षा को लेकर निगम प्रशासन अलर्ट घाटों पर कराई गई बैरिकेडिंग, पुलियों-नालों और रपटों से दूर रहने की निगमायुक्त ने की अपील

नवल किशोर

कटनी। लगातार हो रही बारिश के चलते नगर से होकर गुजरने वाली नदी एवं नालों में जलस्तर बढ़ गया है। बारिश के दौरान बढ़ते जलप्रवाह और संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील घाटों पर बैरिकेडिंग कराई गई है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए मोहन घाट, मसूरहा घाट एवं कटाए घाट में बैरिकेडिंग की गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि बैरिकेडिंग पार कर घाटों अथवा नदी-नालों के समीप जाने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुलियों, नालों और रपटों को पार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। नागरिक जलस्तर सामान्य होने तक ऐसे स्थानों से दूरी बनाए रखें तथा बच्चों को भी नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास न जाने दें। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बारिश के दौरान थोड़ी सी असावधानी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

30 साल से सड़क की आस, अब कीचड़ में ग्रामीणों ने रोपा धान



साहिल खान

जैतपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गलहथा में बदहाल सड़क के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन, ग्रामीण बोले-सड़क नहीं बनी तो रास्ते को ही बना दिया खेत शहडोल जिले के जैतपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गलहथा में सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़क पर दिखाई देने लगा है। वार्ड क्रमांक 15 में करीब तीन दशक से सड़क निर्माण की मांग पूरी नहीं होने से परेशान ग्रामीणों ने बारिश से कीचड़ में तब्दील हो चुके रास्ते पर धान का रोपा लगाकर अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग को लेकर जिम्मेदारों के सामने अपनी समस्या रखी जा रही है, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ नहीं मिला। ग्रामीणों के मुताबिक वार्ड क्रमांक 15 से मुख्य सड़क और स्कूल तक जाने वाला करीब आधा किलोमीटर लंबा मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बारिश शुरू होते ही यह रास्ता कीचड़ और पानी से लबालब हो जाता है। हालात ऐसे हो जाते हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली

बच्चों, बुजुर्गों और रोजाना आवागमन करने वाले ग्रामीणों को उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि करीब 30 वर्षों से वे इसी परेशानी का सामना कर रहे हैं। लगातार उपेक्षा से नाराज नवल सिंह, पहलाद सिंह, सुरेश सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने इस बार विरोध का अलग तरीका अपनाया। बारिश के बाद सड़क पर जमा कीचड़ को देखते हुए ग्रामीणों ने वहीं धान का रोपा लगा दिया। उनका कहना है कि जब सड़क की हालत खेत जैसी हो गई है तो क्यों न इसमें धान ही लगा दिया जाए। इस प्रदर्शन के जरिए ग्रामीणों ने जिम्मेदारों का ध्यान वर्षों पुरानी समस्या की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया है।

ग्रामीण पहलाद सिंह ने कहा कि सड़क की हालत देखकर ऐसा लगता है जैसे यह रास्ता नहीं बल्कि खेत हो। यदि इसी तरह पानी और कीचड़ जमा रहना है तो यहां धान की फसल ही तैयार कर लेते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत की ओर से बारिश समाप्त होने के बाद सड़क निर्माण शुरू कराने का भरोसा दिया गया है। अब ग्रामीणों की नजर इस आश्वासन पर टिकी है कि तीन दशक से लंबित सड़क की समस्या वास्तव में कब खत्म होगी।

गाजर घास के दुष्प्रभाव और नियंत्रण को लेकर कृषि विज्ञान केंद्र ने चलाया जागरूकता अभियान

किसानों एवं ग्रामीणों को गाजर घास की पहचान, स्वास्थ्य पर प्रभाव और प्रभावी नियंत्रण उपायों की दी जानकारी

साहिल खान

शहडोल। कृषि विज्ञान केंद्र शहडोल द्वारा ग्राम कल्याणपुर में गाजर घास (पार्थेनियम) उन्मूलन एवं जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान किसानों एवं ग्रामीणों को गाजर घास के दुष्प्रभाव, इसकी पहचान तथा प्रभावी नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी गई। ग्रामीणों से अपील की गई कि गाजर घास को फूल एवं बीज बनने से पहले ही जड़ सहित नष्ट कर इसके प्रसार पर प्रभावी रोक लगाएं। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेंद्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के मार्गदर्शन में देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा 16 से 22 अगस्त 2026 तक गाजर घास उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि भारत में गाजर घास का प्रवेश वर्ष 1950-56 के दौरान अमेरिका से आयातित गेहूं के साथ हुआ था। वर्तमान में यह खरपतवार फसलों के साथ-साथ स्थानीय वनस्पतियों, पर्यावरण एवं जैव विविधता के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुका है। वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति ने बताया कि गाजर घास का वैज्ञानिक नाम पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस है। इसे चटक चांदनी एवं कड़वी घास के नाम से भी जाना जाता है। यह खेतों, मेड़ों, गांव-कस्बों के आसपास, उद्यानों, वनों, सड़क किनारे, रेलवे ट्रैक, आवासीय क्षेत्रों तथा जल निकासी एवं सिंचाई नहरों के आसपास तेजी से फैलता है। एक पौधा करीब 10 हजार से 25 हजार तक सूक्ष्म बीज पैदा कर सकता है, जो हवा और पानी के माध्यम



से आसानी से दूर-दूर तक फैल जाते हैं। उन्होंने बताया कि गाजर घास के लगातार संपर्क में आने से मनुष्यों में डर्मेटाइटिस, खुजली, एक्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा एवं श्वसन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं इसके सेवन से दुधारू पशुओं में दूध का स्वाद कड़वा होना, खुजली, बाल झड़ना, लार गिरना, अतिसार तथा मुंह एवं आंतों में छाले जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अधिक मात्रा में गाजर घास खाने से पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है।

फूल आने से पहले उन्मूलन सबसे प्रभावी -डॉ. अल्पना शर्मा एवं डॉ. दीपक चौहान ने किसानों को बताया कि गाजर घास में मध्य अगस्त से मध्य सितंबर के बीच पुष्पण तेज होता है। ऐसे में फूल आने से पहले पौधों को जड़ सहित उखाड़कर नष्ट करना सबसे प्रभावी उपाय है। इससे पौधे बीज बनने से पहले ही समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने गाजर घास उखाड़ते समय दस्ताने एवं सुरक्षात्मक कपड़ों का उपयोग करने की

सलाह दी।

जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण की दी जानकारी -तकनीकी अधिकारी डॉ. नितिन सिंघई एवं भागवत पन्ने ने गाजर घास के जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़े क्षेत्र में फैली गाजर घास के जैविक नियंत्रण के लिए मैक्सिकन बीटल (जाइगोग्रामा बाइकलेरेटा) उपयोगी है। आवश्यकता के अनुसार शाकनाशियों के माध्यम से भी इसका नियंत्रण किया जा सकता है। अकृषित क्षेत्रों में उपयुक्त परिस्थितियों के अनुसार ग्लाइफोसेट तथा गाजर घास नियंत्रण के लिए मेट्रिब्यूजिन के उपयोग की जानकारी भी किसानों को दी गई। अभियान के अंत में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों एवं ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने खेतों, मेड़ों और आसपास के क्षेत्रों में गाजर घास की नियमित निगरानी करें तथा फूल और बीज बनने से पहले इसका उन्मूलन कर इसके प्रसार को रोकने में सक्रिय सहयोग दें।

रामदेवरा जी की 18वीं विशाल पदयात्रा का श्रद्धालुओं ने किया भव्य स्वागत

जवाहर टेकरी से रुणिचा धाम रामदेवरा तक निकली पदयात्रा, मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर किया स्वागत



आदित्य शर्मा

इंदौर। आस्था, भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत रामदेवरा जी की 18वीं विशाल पदयात्रा जवाहर टेकरी से रुणिचा धाम रामदेवरा के लिए निकली। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हाथों में ध्वज, गले में फूलों की मालाएं और जयकारों के साथ श्रद्धालुओं का जत्था आगे बढ़ता नजर आया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्तिमय

वातावरण बना रहा। पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा मंच लगाकर यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में पदयात्रियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया तथा धार्मिक उत्साह के साथ उन्हें आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गईं। तस्वीरों में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे भी पदयात्रा में शामिल नजर आए।

स्वागत कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दिलीप पटेल, जनपद सदस्य मुकेश यादव, ग्राम पंचायत सिंहाणा के सरपंच नारायण चौहान, भीम सिंह राठौड़, उपसरपंच अर्जुन भीम सिंह राठौड़, पूर्व सरपंच घनश्याम पटेल, गुड्डू सोलंकी, अज्जू यादव, जितेंद्र चौहान (मां नर्मदा बोरवेल), प्रकाश पटेल, अजय शर्मा, कनिराम राठौड़, महेश चौहान, देवनारायण (पप्पू) एवं अशोक ठाकुर अनिल

परमार जी नाथू चौहान जी असलम पटेल जी अन्य श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। यात्रा के संयोजक लाखन ठाकुर एवं मेहरबान ठाकुर के नेतृत्व में पदयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ रुणिचा धाम रामदेवरा की ओर अग्रसर है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव जी के जयकारों के साथ धार्मिक एकता और आस्था का संदेश दिया।

संस्था अध्यक्ष मंजूर बैग तीसरी बार उमराह यात्रा पर खाना साथियों ने किया स्वागत

इंदौर – संस्था सर्व धर्म के अध्यक्ष मंजूर बैग एवं शकील खाना उमराह यात्रा के लिए अल साहिल टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक साहिल मेहर के ग्रुप के साथ खाना हुआ। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत कर उन्हें दिल से मुबारकबाद दी। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने अध्यक्ष को फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया और सुरक्षित, मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। संस्था के उपाध्यक्ष रियाज खान ने कहा कि अध्यक्ष की यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है बल्कि समाज के लिए प्रेरणा भी बनेगी।

अध्यक्ष मंजूर बैग ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे

उमराह यात्रा में देश की तरक्की, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ करेंगे। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य सभी धर्मों में आपसी सौहार्द और एकता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने अध्यक्ष को पुनः

समीर बैग फैजान बैग तहसीन खान असद खान सरफराज खान मुकेश बजाज जुनेद खान इकबाल खान मासूम अली नौशाद खान पत्रकार सादिक खान सलमान खान आदि संस्था के लोग मौजूद थे।



मुबारकबाद दी और देश में शांति, प्रेम और भाईचारे की दुआ की।

इस अवसर पर मुख्यरूप से- संस्था उपाध्यक्ष रियाज खान रवीश पचौरी माहिर शाह वारसी इदरीस बाबा डॉक्टर अकबर काजी जाकिर खान सोहेल पठान मोहम्मद अकबर एडवोकेट



इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के थानों के मूल्यांकन की माह जुलाई-2026 की रैंकिंग जारी...

बेहतर परफॉर्मेंस कर थाना लसूडिया प्रथम व औसत कार्यवाही पर थाना पंढरीनाथ रहा सबसे अंतिम स्थान पर

आदित्य शर्मा

इंदौर शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण व बेहतर पुलिसिंग हेतु पुलिस थानों के कार्य निष्पादन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुखी बनाए जाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा थानों के कार्य की एक मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली प्रारंभ की गई है, जिसमें विभिन्न मापदंडों पर प्रत्येक थाने में पुलिस थानों के कार्यों का मूल्यांकन मासिक आधार पर किया जा रहा है। उक्त मूल्यांकन प्रणाली के तहत 2026 के जुलाई माह में पुलिस थानों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा संबंधित

कमेटी द्वारा निर्धारित मापदंडों पर की गई, जिसके आधार पर पूरे इंदौर कमिश्नरेट के सभी 32 थानों के कार्य निष्पादन, जनसंतुष्टि और आमजन के हित में किये जा रहे नवाचारों आदि पैरामीटर्स के आधार पर, बेहतर परफॉर्मेंस के लिए जोन-02 के थाना लसूडिया ने प्रथम, जोन-03 के थाना बाणगंगा ने द्वितीय व जोन-04 के थाना चंदन नगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही निर्धारित मापदंडों पर सबसे औसत परफॉर्मेंस के साथ जोन-04 का थाना पंढरीनाथ सबसे अंतिम स्थान पर रहा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाने के थाना प्रभारी सहित स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा वहीं कमजोर परफॉर्मेंस वाले थाने के थाना प्रभारी व स्टाफ को और बेहतर कार्यवाही के लिए आवश्यक ट्रेनिंग भी करवाई जाएगी, और लापरवाही प्रदर्शित करने वालों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जावेगी।

विपरीत परिस्थितियों में भी सुगम जल निकासी में जुटा निगम का स्वास्थ्य अमला

नवल किशोर

कटनी। विगत रात्रि से लगातार हो रही बारिश के बीच नगर में सुगम जल निकासी व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को जलजमाव से राहत दिलाने नगर निगम का स्वास्थ्य अमला विपरीत परिस्थितियों

में भी पूरी तत्परता के साथ मैदानी स्तर पर सक्रिय रहा। निगम प्रशासन द्वारा नियमित सफाई व्यवस्था के साथ ही बारिश के कारण उत्पन्न जलजमाव की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित क्षेत्रों में तत्काल टीमें भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई

गई। बारिश के दौरान कुछ क्षेत्रों से जलजमाव की सूचनाएं प्राप्त होते ही निगम के स्वास्थ्य अमले को सक्रिय किया गया। टीमों ने चिन्हित स्थलों पर पहुंचकर नालियों एवं जल निकासी मार्गों का निरीक्षण किया तथा आवश्यकतानुसार मशीनरी

एवं स्वच्छता अमले की सहायता से वर्षाजल की निकासी सुनिश्चित कराई। निगम की तत्पर कार्यवाई से जलजमाव वाले क्षेत्रों में स्थिति को नियंत्रित करने तथा नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाए रखने के प्रयास किए गए।